भजन

तर्ज–ये रेश्मी पाज़ेब की झनकार के सदक

ए पंजे वाले तेरे इस दरबार के सदके
प्राणों के नाथ मेरी इस सरकार के सदके

1–इस दुख के खेल में तूं
अपने साथ आया है
नासूत का तन धार के
अपना आप छुपाया है
करते हो अर्श की बातें इस गुफ्तार के सदके

2– दुनिया को अखंड किए बिन
तुम जा नहीं सकते
ब्रह्मवाणी के ये वाक्य
तुम मिटा नहीं सकते
तेरी इस श्री मुख वाणी की गुंजार के सदके